Monday • WK 06 (032-334)

बी.ए द्वितीय वर्ष 2016

हिन्दी साहित्य का इतिहास

हिन्दी साहित्य के इतिहास को कई कालों में बाँटा गया है। जो निम्नलिखित है। हर काल से एक प्रश्न पूछा जाता है।

(1) आदिकाल (1050 से 1375 वि०)
(2) भक्तिकाल
(3) रीतिकाल
(4) आधुनिक काल

आदिकाल पर आधारित कुछ लघुउत्तरीय प्रश्न इस प्रकार हैं।

प्र०(1) आदिकाल का नाम 'आदिकाल' किस विद्वान ने दिया?

उत्तर- डा. हजारी प्रसाद द्विवेदी

प्र(2) हिन्दी साहित्य का इतिहास सबसे पहले किस विद्वान ने लिखा?

उ०- 'गार्सा द तासी'

प्र(3) आदिकाल के किन्ही चार ग्रन्थों के नाम लिखिए?

उ० - (1) पृथ्वीराज रासो (2) कीर्तिलता (3) कीर्तिपताका (4) खुसरों की पहेलिया

प्र(4) आदिकाल में किस-किस भाषा का प्रयोग किया गया?

उ० - आदिकाल में डिंगल, पिंगल, अपभ्रंश भाषा का अधिकतर प्रयोग हुआ था

प्र(5) आदिकाल में किस तरह के ग्रंथ लिखे गए?

उ० - आदिकाल में जैन साहित्य बौद्ध साहित्य, रासो ग्रन्थ, पहेलिया मुकरियां, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य आदि ग्रन्थों की रचनाएं हुई।

प्र(6) सिद्धों की परम्परागत संख्या कितनी मानी गई है?

उ० - सिद्धों की परम्परागत संख्या चौरासी मानी गई है।

प्र(7) - आदिकाल के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए?

उ० - स्वयंभू, विद्यापति, चन्दवरदायी, अमीर खुसरो, देवसेन आदि

FEBRUARY 2016

WK	M	T	W	T	F	S	S
06	1	2	3	4	5	6	7
07	8	9	10	11	12	13	14
08	15	16	17	18	19	20	21
09	22	23	24	25	26	27	28
10	29						

प्र.8 — नाथ सम्प्रदाय के प्रवर्तक का नाम लिखिए ?

उ० — गोरखनाथ नाथ सम्प्रदाय के प्रवर्तक माने जाते हैं।

प्र(9)— नाथों की परम्परागत संख्या कितनी मानी गई है।

उ० — नाथों की परम्परागत संख्या नौ मानी गयी है।

प्र (10)— 'पउम चरिउ' ग्रन्थ के लेखक का नाम लिखिए ?

उ० — स्वयंभू

~~प्र(11)~~ आदिकाल की मुख्य प्रवृत्तियाँ या विशेषताएं लिखिए ?

उ० (1) आदिकाल की विशेषताएं निम्नलिखित हैं।

① धार्मिक साहित्य की रचना

जैसे - जैन साहित्य
बौद्ध साहित्य
नाथ साहित्य
रासो साहित्य

पहेलियों एवं मुकरियों की रचना

(1) लौकिक साहित्य की रचना
वीरगाथा साहित्य
(2) राजाओं की अतिशयोक्तिपूर्ण प्रशंसा
(3) रासो ग्रन्थों की रचना
(4) डिंगल, पिंगल एवं अपभ्रंश भाषा का प्रयोग
(5) युद्धों का सजीव वर्णन
(6) देशभक्ति की भावना का अभाव
(7) विविधतापूर्ण साहित्य की रचना
(8) शृंगार, वीर एवं शान्त रस की प्रधानता
(9) प्रकृति चित्रण